21.2.22.

पत्रावली पेश हुई। उभय पक्ष उपस्थित। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र बाबत अस्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक् से लिखाया जाकर शामिल पत्रावली है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नंबर से खत्म हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Sanjay Kumar Gora
Date: 2022.06.24 17:03:02 IST
Reason: SelfAttested